Q. What is Structuralism? Discuss the difference between Structuralism and functionalism.?

Ans. संरचनावाद मनोविज्ञान का सबसे पहला सम्प्रदाय है। इस सम्प्रदाय का विकास (1879) में हुआ औपचारिक रूप से जर्मनी के Leipzig स्थान पर Wundt के द्वारा हुआ। लेकिन विधिवत रूप से इस सम्प्रदाय की स्थापना 1898 में Titchner के द्वारा की गई। इस सम्प्रदाय के अनुसार मनोविज्ञान की विषय-वस्तु चेतन-अनुभूति है और मनोविज्ञान चेतन-अनुभूति की संरचना का अध्ययन केवल उसके अस्तित्व के रूप में करता है चेतन अनुभूति के तीन पक्ष हैं जिन्हें What, How and Why कहते हैं What का अर्थ है कि चेतन अनुभूति क्या है? How का अर्थ है कि चेतन अनुभूति की रचना कैसे हुई। और Why का अर्थ है कि चेतन अनुभूति की उपयोगिता क्यों है? संरचनावाद चेतन अनुभूति के केवल पहले दो पक्षों का अध्ययन करता है इसलिए Woodworth तथा Sheehan (1975) ने कहा है कि संरचनावाद वह सम्प्रदाय है जो चेतन अनुभूति के What aspect तथा How aspect का अध्ययन करता है। उन्होंने कहा "Structuralism is a School of psychology which deals with the what and the how aspects of consciousness".

संरचनावाद के विकास के बाद अमेरिका में उसका जोरदार विरोध किया गया। उसके विरोध में एक-दूसरे सम्प्रदाय का विकास हुआ जिसे प्रकार्यवाद की संज्ञा दी गई। प्रकार्यवाद के विज्ञान में

John dewey, Angell तथा Carr ने विशेष रूप से योगदान दिया। वे सभी शिकागो विश्वविद्यालय के विद्वान थे। इसलिए उनके प्रकार्यवाद को शिकागो प्रकार्यवाद कहते हैं। आगे चलकर columbia university में Thorndike, Cattell and woodworth के प्रकार्यवाद को विकसित किया। उसे Columbia प्रकार्यवाद कहा जाता है। प्रकार्यवाद ने भी चेतन अनुभूति को कि psychology की विषय-वस्तु माना। लेकिन उन्होंने चेतन अनुभूति के तीनों पक्षों पर बल दिया। इसलिए संरचनावाद तथा प्रकार्यवाद के बीच कई तरह के अन्तर पाए जाते हैं।

(1) संरचनावाद पहले स्थापित हुआ और प्रकार्यवाद बाद में स्थापित हुआ। संरचनावाद की स्थापना अनौपचारिक रूप से (1879) में हुई और औपचारिक रूप से (1898) में हुई। दूसरी ओर प्रकार्यवाद की स्थापना (1899) में हुई। अखल में प्रकार्यवाद संरचनावाद के विरोध में एक प्रक्रिया के रूप में विकसित हुआ।

(2) संरचनावाद के विकास में केवल दो मनोवैज्ञानिकों ने योगदान दिया। वे दो मनोवैज्ञानिक Wundt तथा Titchner हैं। Wundt ने संरचनावाद की विकास के लिए एक अनुकूल पृष्ठभूमि का निर्माण किया और Titchner ने इसी पृष्ठभूमि में संरचनावाद को एक सम्प्रदाय के रूप में प्रस्तुत किया। इसके विपरीत प्रकार्यवाद के विकास में अनेक मनोवैज्ञानिकों ने योगदान दिया। जिनमें Dewey, Angell, Carr आदि महत्वपूर्ण हैं।

(3) संरचनावाद का विकास जर्मनी में हुआ जबकि प्रकार्यवाद का विकास अमेरिका में हुआ। संरचनावाद की स्थापना जर्मनी के

Scanned with CamScanner

Leipzig नामक स्थान पर की गयी। दूसरी ओर प्रकार्यवाद की स्थापना अमेरिका में शिकागो विश्व विद्यालय में हुई।

(4) संरचनावाद में चेतन अनुभूति की रचना पर बल दिया गया। कहा गया कि मनोविज्ञान चेतन अनुभूति की रचना का अध्ययन करता है। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन-अनुभूति के कार्य पर बल दिया गया। कहा गया कि मनोविज्ञान चेतन-अनुभूति के कार्य या उसकी उपयोगिता का अध्ययन करता है।

(5) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के केवल दो पक्षों पर बल दिया गया। उसके What aspect तथा How aspect का अध्ययन किया गया और Why aspect का अध्ययन नहीं किया गया। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति के तीनों पक्षों का अध्ययन किया गया।

(6) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के तत्वों का अध्ययन किया गया उसके तीन तत्व बतलाए गए जिन्हें संवेदना, भाव तथा प्रतिमा कहते हैं इसलिए संरचनावाद को तत्ववाद भी कहा जाता है लेकिन प्रकार्यवाद में तत्वों का अध्ययन नहीं किया गया।

(7) संरचनावाद में अन्तः निरीक्षण को मनोविज्ञान की विधि माना गया। कहा गया कि चेतन अनुभूति के तत्वों के लिए एक मात्र विधि अन्तः निरीक्षण है इसलिए संरचनावाद को अन्तः निरीक्षण वाद भी कहा जाता है दूसरी ओर प्रकार्यवाद में विविध अध्ययन विधि तथा तात्कालिक निरीक्षण विधि को मनोविज्ञान का अध्ययन विधि माना गया।

(8) संरचनावाद में चेतन अनुभूति के घटकों पर बल दिया गया। इसलिए संरचनावाद को

Scanned with CamScanner

घटकवाद भी कहा जाता है दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति की क्रिया पर बल दिया गया। इसीलिए प्रकार्यवाद को क्रिया मनोविज्ञान भी कहा जाता है।

(ग) संरचनावाद एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण था। इसलिए उसको विश्लेषणवाद भी कहते हैं। उसमें चेतन अनुभूति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया। दूसरी ओर प्रकार्यवाद में चेतन अनुभूति का समग्र अध्ययन किया गया। इसीलिए प्रकार्यवाद को समग्र मनोविज्ञान भी कहते हैं।

वर्तमान स्थिति यह है कि प्रकार्यवाद तथा संरचनावाद के विरोध में बहुत कुछ समाप्त हो गया। इनदोनों के बीच अन्तर क्रमशः घट गई। लेकिन अन्तः-निरीक्षण आज भी जीवित है। Woodworth तथा Sheehan (1975) ने कहा है कि आज शुद्ध रूप में न कोई संरचनावादी मनोवैज्ञानिक है और न कोई प्रकार्यवादी मनोवैज्ञानिक है किन्तु संरचनावाद किसी रूप में आज भी जीवित है मनोविज्ञान का आधुनिकतम सम्प्रदाय अस्तित्ववाद या संज्ञानात्मक मनोविज्ञान है जो वस्तुतः संरचनावाद के पुनर्जागरण का संदेश देता है।

Scanned with CamScanner